AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि को मिले सौ करोड़

प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान पीएम-उषा के तहत मिली धनराशि

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। आर्थिक तंगी से जूझ रहे लखनऊ विश्वविद्यालय ने केंद्र सरकार की प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-उषा) कार्यक्रम के तहत 100 करोड़ रुपये का अनुदान हासिल किया है। इस अनुदान से लविवि में क्लासरूम, पुस्तकालय, प्रयोगशाला और प्रेक्षागृह का निर्माण हो सकेगा।

लखनऊ विश्वविद्यालय में शैक्षणिक वेतन के लिए चल रहे तीन दिवसीय भारतीय संस्थानत नेतृत्व समागम के आयोजन के दौरान ही इसकी सूचना मिली। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने उच्च शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त किया। उनके अनुसार, यह फंडिंग लविवि को उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगी।

नई शिक्षा नीति लागू करने में मिलेगी मदद

- नई शिक्षा नीति लागू होने के बाद स्नातक पाठ्यक्रम चार साल का हो गया है। ऐसे में विवि को अतिरिक्त कक्षाओं की जरूरत होगी। प्रयोगशाला की क्षमता भी बढ़ानी होगी। अनुदान मिलने के बाद यह काम करने में आसानी होगी।

इसलिए महत्वपूर्ण है यह अनुदान

- लविवि का बजट पिछले 25 साल से फ्रीज है। ऐसे में लविवि को हर साल 40 करोड़ रुपये का तय अनुदान मिलता है। पिछले 25 साल में वेतन मद का खर्च ही चार गुना पहुंच चुका है। बाकी खर्चे भी बढ़े हैं। ऐसे में स्ववित्तपोषित पाठ्यक्रमों की फीस और परीक्षा फीस से मिला पैसा ही लविवि का सहारा था।
- आर्थिक तंगी की वजह से लविवि में अभी तक प्रेक्षागृह नहीं बन सका है। कक्षाओं की कमी का आलम यह है कि अभिनवगुण संस्थान तक में अन्य विभागों की कक्षाएं संचालित करनी पड़ रही हैं। एकमुश्त सौ करोड़ रुपये मिलने के बाद यह काम हो सकेंगे।

बेवन सॉल्यूशंस व विप्रो में प्लेसमेंट का मौका

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग संकाय के प्लेसमेंट सेल द्वारा बेवन सॉल्यूशंस व विप्रो कंपनी में विश्वविद्यालय कैंपस के छात्रों के लिए प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन 26 से 29 फरवरी के बीच होगा। आवेदन करने की अंतिम तिथि 22 फरवरी है।

- प्लेसमेंट प्रभारी डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि बेवन सॉल्यूशंस कंपनी में टेलेंट स्क्वाउट (यूएस स्टाफिंग एंड टिक्टाट्रेट) पद पर 3.0 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज के लिए बीटेक (कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन), बीएससी (कंप्यूटर साइंस), बीसीए, एमएससी (कंप्यूटर साइंस) और एमसीए के छात्र-छात्राएं दिए गये लिंक forms.gle/9QCpM3gSKfBvzh116 पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। प्लेसमेंट ड्राइव 26 व 27 फरवरी को ऑनलाइन संकाय में होगी। विप्रो एचआर सर्विसेज प्रा. लि. कंपनी में द्वितीय चरण के रिक्टाटमेंट ड्राइव में कंटमर सर्विस रिप्रेजेंटेटिव पद पर 3.08 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज के लिए बीबीए, बीसीए, बीकॉम, बीए, बीएचएम, बीजेएमसी और बीएससी (गणित ऑनर्स, सांख्यिकी ऑनर्स, अर्थशास्त्र ऑनर्स, बीएससी-कंप्यूटर साइंस को छोड़कर) के छात्र-छात्राओं दिए गए लिंक forms.gle/eBE54bXB6gWjmCwj9 पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। (माई सिटी रिपोर्टर)

NBT PAGE 3

LU में 26 से 29 तक चलेगा प्लेसमेंट ड्राइव

■ एनबीटी संवाददाता, लखनऊ

एलयू के अभियंत्रिकी एवं तकनीकी संकाय की प्लेसमेंट सेल की ओर से 26 से 29 फरवरी तक प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित की जाएगी। इसमें बेवन सॉल्यूशंस और विप्रो कंपनियां भाग लेंगी। इच्छुक विद्यार्थी 22 फरवरी तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

3 लाख का पैकेज

संकाय के प्लेसमेंट सेल प्रभारी डॉ. हिमांशु पांडेय ने बताया कि बेवन सॉल्यूशंस कंपनी में टेलेंट स्काउट (यूएस स्टाफिंग एंड टिक्टाटमेंट) पद पर 3.0 लाख प्रतिवर्ष के पैकेज के लिए बीटेक (कंप्यूटर साइंस, इलेक्ट्रिकल एवं इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन), बीएससी (कंप्यूटर साइंस), बीसीए, एमएससी (कंप्यूटर साइंस) और एमसीए के स्टूडेंट्स आवेदन कर सकते हैं। स्टूडेंट्स को https://forms.gle/9QCpM3gSKfBvzh116 लिंक पर जाकर आवेदन करना होगा।

बीए वालों को भी मौका

विप्रो एचआर सर्विसेज प्रा. लि. कंपनी के रिक्टाटमेंट ड्राइव में बीबीए, बीकॉम, बीए, बीएचएम, बीजेएमसी और बीएससी (गणित ऑनर्स, सांख्यिकी ऑनर्स, अर्थशास्त्र ऑनर्स, बीएससी-कंप्यूटर साइंस को छोड़कर) के स्टूडेंट्स https://forms.gle/eBE54bXB6gWjmCwj9 लिंक के जरिए आवेदन कर सकते हैं।

i-NEXT PAGE 5

पीएचडी प्रवेश परीक्षा के एडमिट कार्ड हुए जारी

LUCKNOW (18 Feb): लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2023-24 की पीएच.डी प्रवेश परीक्षा के लिए रविवार को एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं. अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://apps.lkouniv.ac.in/ के माध्यम से पूर्व में प्राप्त लागिन आइडी का प्रयोग करके एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं. प्रवेश परीक्षा 24 व 25 फरवरी को होगी. इसके कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं हुआ है. इस बार दाखिले के लिए रेगुलर के 41 विषयों में 7200 आवेदन आए हैं. प्रवेश परीक्षा के सह समन्वयक अनिल गौरव ने बताया कि ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने पीएच.डी के एक से अधिक विषय में आवेदन किया है, उनकी प्रवेश परीक्षा की तिथि एक साथ होने पर 15 फरवरी तक आपत्ति मांगी गई. लेकिन कोई आपत्ति नहीं आई.

PIONEER PAGE 4

पीएम उच्चतर शिक्षा योजना में यूपी को मिला 740 करोड़ रुपए का अनुदान

वाराणसी समाचार सेवा। लखनऊ

भारत सरकार की योजना प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत उत्तर प्रदेश को दिए गये वार्षिकांक अनुदान स्वीकृति किया गया है। प्रदेश को चिन्हित मदों में लगभग 740 करोड़ का अनुदान जारी किया गया है। स्वीकृति अनुदान का उपयोग विश्वविद्यालयों में शोध की गुणवत्ता को बढ़ाने तथा करते ही पूर्व पुराने भवनों के रिनोवेशन करने पर किया जाएगा। प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान योजना के अन्तर्गत चिन्हित न्यूनतम मानकों मानांकन अनुदान के क्रम में अर्हतित क्षेत्रों में नए राजकीय महिला महाविद्यालयों के लिए अनुदान प्रदान किया गया है। बेट प्रणोदित योजना का उद्देश्य राज्य में उच्च शिक्षण संस्थानों को समान विकास प्रदान का उच्च शिक्षा प्रणाली को ठीक करना है। योजना के अन्तर्गत 2026 के अंत तक समान मानांकन अनुदान को 35 परिवार तक बढ़ाना है। उत्तर प्रदेश में इस अनुदान का उपयोग डिजिटल शिक्षा के तौरों के लिए बुनियादी ढांचे को विकसित करने के लिए किया जाएगा। जिससे राज्य के सामाजिक रूप से पीछेपन समुदायों के लिए उच्च शिक्षा के चिन्हित अवसर सुनिश्चित हो सकें। बहु अनुशासनात्मक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय के अन्तर्गत चिह्नित देश भर के 26 विश्वविद्यालयों में से उत्तर प्रदेश के 4 विश्वविद्यालयों को अनुदान दिया गया है। इनमें लखनऊ विश्वविद्यालय, डॉ राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या, महामना ज्योतिबा फुले रोहिलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली, दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय गोरखपुर, बुन्देलखण्ड विश्वविद्यालय झांसी, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ को 100-100 करोड़ की धनराशि दी गई है। इसी तरह विश्वविद्यालयों के सुदृढीकरण के अंतर्गत चिह्नित पूरे देश में 52 विश्वविद्यालयों में से उत्तर प्रदेश के 9 विश्वविद्यालयों को अनुदान दिया गया। इनमें दो पीन राज्य अभियंत्रण विश्वविद्यालय आगरा, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय कानपुर, मां शाकुम्भरी विश्वविद्यालय सहारनपुर और महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ वाराणसी को 20-20 करोड़, जबकि श्री बाबूराम सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर को 19,99,99,000, डॉ राजेन्द्र सिंह विश्वविद्यालय प्रयागराज को 19,99,97,000, जगतगुरु रामानंदाचार्य विश्वविद्यालय चित्रकूट को 13,38,90,000 और सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु को 6,53,11,262 रुपए प्रदान किए गए।

TOI PAGE 4

Tapping sources helped LU raise revenue by 70% in last 4 years: VC

Institutional Leadership Meet Ends

Mohita.Tewari
@timesgroup.com

Lucknow: Facing severe financial crunch for the past many years, Lucknow University successfully increased its revenue by 70% in the last four financial sessions by tapping sources like increased enrollment of foreign students, restructuring its traditional courses, monetizing its Youtube channel and others.

LU VC Prof Alok Kumar Rai speaking during a session at National Institutional Leadership Summit which culminated on Saturday

This was shared by LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai during the 'Financing and funding of higher education institutes' session held during the National Institutional Leadership Summit 2024 which culminated on Saturday.

"When I joined LU as a vice-chancellor I came to know that posts are created by the govt, but its salary expenditure has to be borne by the university. Of all the expenditures, the biggest is salary expenditure, followed by maintenance which includes electricity, maintenance of campus and others and then is essential academic expenditure which includes maintenance of laboratories etc," said VC.

He said that of these expenditures some expenses are met from whatever grant we get from the state government, central and state government research and other schemes while to meet the remaining expenses we took several innovative steps to increase our revenue.

"LU focused on increasing foreign student enrollment to raise revenue. For Indian BA student, we get a fee of around Rs 5,000 but if a foreign student enrolls in our undergraduate course we get 1,000 dollars. Similarly, for postgraduate and PhD we get 2,000 and 2500 dollars respectively," said Rai.

"We began writing and notifying embassies about our admission, and as a result, we received 1,462 applications from foreign students from 76 countries, helping us to increase our revenue," said Rai.

He said that similarly we also tapped into other smaller yet important sources of income like monetization of our Youtube channel, pushing our teachers to get research grants, restructuring of our traditional courses.

WHEN LU GOT GRANTS IN CRORES

- **Feb 2024** | ₹100 cr from PM-Uchchatar Shiksha Abhiyan (PM-USHA)
- **May 2023** | ₹2.1 cr from Science & Engineering Research Board
- **Dec 2022** | ₹2 cr to physics dept from Department of Science & Technology (DST) for infrastructure upgrade
- **Nov 2019** | ₹8 cr from DST for research projects
- **Apr 2018** | ₹2 cr grant by RUSA for sports infra upgrade
- **Jan 2017** | ₹20 cr by ONGC for construction of Centre of Advanced Studies
- **Sep 2017** | ₹7 cr from Rashtriya Uchchatar Shiksha Abhiyan
- **Mar 2011** | ₹9 cr from DST for science dept

'Grant will help LU enhance its academic infrastructure'

▶Continued from P 1

The VC said: "It will be released gradually for multi-disciplinary research, development of institutions and others."

"Also, this money cannot be used for our routine expenditures. It is only for capital expenditure not for recurring expenditure. For example, the revamp of teachers' accommodation which is in poor condition can be done once, while its routine maintenance will be done from University funds," the VC added.

According to university officials, this much-needed grant will help LU enhance its academic infrastructure, research capabilities, and overall educational ecosystem. This financial aid by the central government will help LU, which has over 100 years old infrastructure, to upgrade its laboratories, modernize classrooms, foster innovation hubs, and promote interdisciplinary research.

"This funding will play a pivotal role in elevating the University of Lucknow to new heights of excellence. It will not only benefit our current students and faculty but also contribute to the nation's knowledge landscape," said the VC. He said that the PM-USHA programme aims to transform universities into centres of excellence by providing financial support to improve infrastructure, research facilities, and the overall quality of education.

"We look forward to utilizing the funds judiciously, fostering a conducive environment for learning, research, and innovation," said Rai.

In LU's annual budget 2023, the university faced a deficit of Rs 132.70 crore.

As per the budget approved by the finance committee last year, LU's estimated revenue was Rs 223.32 crore far short of the Rs 356.02 crore expenditure.

LU VC Prof Alok Kumar Rai and other dignitaries during National Institutional Leadership Summit

LU to receive ₹100 crore grant under PM-USHA

Mohita.Tewari@timesgroup.com

Lucknow: In the biggest-ever financial assistance in its history, Lucknow University is all set to receive a grant of Rs 100 crore from the Centre under Pradhan Mantri Uchchatar Shiksha Abhiyan (PM-USHA).

LU, which will get the grant along with 25 other universities, scored higher 585 out of 650 in the test of parameters for the grant. In all, UP universities received the maximum grant of Rs 740 crore. "Only around half a dozen universities in the country secured over 550 score in PM-USHA and its elating that LU scored the highest 585," said LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai, while making it clear that it is not so that the LU will get the entire Rs 100 crore in one go. "This fund is spanned over a few years and will be given in parts once we complete the project submitted and present usage of the sanctioned amount for the respective project," said the VC.

Manoj Chhabra

GOLDEN GLOW

▶ Academic infra, P 4

▶UP univs get highest dole, under PM-USHA scheme, P 7

HT PAGE 4

{ PM-USHA SCHEME }

Six UP varsities secure Rs 100 cr each funding

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: Uttar Pradesh has secured Rs 740 crore under the Pradhan Mantri Uchchatar Shiksha Abhiyan (PM-USHA) programme, the highest amount in the country, with six universities receiving Rs 100 crore each for the development of these institutions as multi-disciplinary education and research universities (MERUs), while a sum of Rs 140 crore has been distributed among eight other universities in the state for renovating dilapidated buildings.

The six UP universities to get Rs 100 crore each under the programme are: University of Lucknow, Dr. Ram Manohar Lohia Awadh University, Ayodhya, Mahatama Jyotiba Phule Rohikhand University, Bareilly, Deen Dayal Upadhyay Gorakhpur University, Bundelkhand University, Jhansi and Chaudhary Charan Singh University, Meerut.

Similarly, out of the 52 universities identified nationwide under the strengthening of universities initiative, grants were allocated to eight universities in Uttar Pradesh. Dr. Bhim Rao Ambedkar University, Agra, Chhatrapati Shahu Ji Maharaj University, Kanpur, Maa Shakumbhari University, Saharanpur, and Mahatma Gandhi Kashi Vidyapeeth, Varanasi, each received a grant of Rs 20 crore. Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur, received Rs 19.9 crore, while Prof Rajendra Singh (Rajju Brother) University, Prayagraj, also got Rs 19.9 crore. Jannayak Chandrashekhar University Ballia and Siddharth University Kapilvastu received Rs 13.38 crore and Rs 6.53 crore, respectively.

The University of Lucknow has said the financial boost would help it to enhance its academic infrastructure and research capabilities. FILE

University of Lucknow, in a communication, said that this financial boost, made possible through the PM-USHA initiative, would help Lucknow University to enhance its academic infrastructure, research capabilities, and overall educational ecosystem.

"The funds will be utilised to upgrade laboratories, modernise classrooms, foster innovation hubs, and promote interdisciplinary research," said LU vice-chancellor Prof Alok Kumar Rai. "This funding will play a pivotal role in elevating the University of Lucknow to new heights of excellence. It will not only benefit our current students and faculty but also contribute to the nation's knowledge landscape," he said.

Deen Dayal Upadhyaya Gorakhpur University too has been selected for a Rs 100 crore merit-based grant under PM-USHA scheme.

"The funding will be utilised to develop the university as a Multi-Disciplinary Education and Research University (MERU) in alignment with the National Education Policy (NEP)," Prof Poonam Tandon, DDU vice-chancellor said.

RASHTRIAYA SAHARA PAGE 5

LU को मिले 100 करोड़

कुलपति ने जताया आभार, निर्माण विभाग सक्रिय-बनने लगे प्रोजेक्ट

लखनऊ (एसएनबी)। प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-उषा) कार्यक्रम के तहत 100 करोड़ की फंडिंग लखनऊ विश्वविद्यालय ने सफलतापूर्वक हासिल कर ली है। लखनऊ विश्वविद्यालय प्रवक्ता प्रोफेसर दर्गेश श्रीवास्तव ने बताया है कि यह महत्वपूर्ण वित्तीय प्रोत्साहन, दूरदर्शी पीएम-उषा पहल के माध्यम से संभव हुआ। पीएम-उषा लखनऊ विश्वविद्यालय को अपने शैक्षणिक बुनियादी ढांचे, अनुसंधान क्षमताओं और समग्र शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने के लिए सशक्त बनाएगा। वही विश्वविद्यालय को 100 करोड़ रूपए मिलने की जानकारी पाते ही निर्माण विभाग अनौपचारिक रूप से प्रोजेक्ट बनाने में जुट गया है, विश्वविद्यालय को 'संवारने' के लिए इंजीनियर से लेकर निर्माण अधीक्षक तक सभी सक्रिय दिख रहे है। इस धनराशि का उपयोग प्रयोगशालाओं को उन्नत करने, कक्षाओं को आधुनिक बनाने, नवाचार केंद्रों को बढ़ावा देने और अंत:विषय अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने उच्च शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त किया और कहा, 'यह फंडिंग लखनऊ विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे न केवल हमारे वर्तमान छात्रों और संकाय को लाभ होगा बल्कि देश के ज्ञान परिदृश्य में भी योगदान मिलेगा। पीएम-उषा कार्यक्रम का उद्देश्य बुनियादी ढांचे, अनुसंधान सुविधाओं और शिक्षा की समग्र गुणवत्ता में सुधार के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके विश्वविद्यालयों को उत्कृष्टता के केंद्रों में बदलना है। लविवि इस पर्याप्त अनुदान का प्राप्तकर्ता होने पर सम्मानित महसूस कर रहा है, जिसका निस्संदेह शैक्षणिक समुदाय और क्षेत्र पर स्थायी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

JAGRAN CITY PAGE III

अपग्रेड होंगी प्रयोगशालाएं, आधुनिक बनेंगी कक्षाएं

लवि को प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान योजना में 100 करोड़ की मंजूरी

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने प्रधानमंत्री उच्च शिक्षा अभियान (पीएम उषा) योजना के तहत 100 करोड़ रुपये का फंड पाने में सफलता हासिल की है। अब विश्वविद्यालय इस फंड पाने में सफलता हासिल करने के बाद अपने शैक्षणिक बुनियादी ढांचे, अनुसंधान क्षमताओं और समग्र शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने के लिए सशक्त बनाएगा। छात्र-छात्राओं के लिए आधुनिक कक्षाएं बनाई जाएंगी। रिसर्च प्रयोगशालाओं को अपग्रेड किया जाएगा। नवाचार केंद्रों, अंतःविषय अनुसंधान को बढ़ावा देने के साथ रोजगार के अधिक से अधिक अवसर दिलाने के लिए छात्र-छात्राओं को स्किल डेवलपमेंट, कौशलवान ट्रेनिंग के जरिए तैयार किया जाएगा।

बीते 17 व 18 जनवरी को राजभवन के विधि विभाग में पीएम उषा की प्रोजेक्ट अनुसार बीटेक की आवश्यकता बैठक हुई थी। इसमें देश भर के विश्वविद्यालयों ने प्रतिभाग कर अपना प्रस्तुतीकरण दिया था। अब जो सूची जारी हुई है, इसमें उत्तर प्रदेश के छह राज्य विश्वविद्यालयों को 100 करोड़ की फंडिंग के लिए अनुमत्र मिला है। इसमें लवि की प्रोजेक्ट को मंजूरी मिली है। उसे सबसे अधिक 585 अंकों का स्कोर मिला।

ये होंगे नए रिसर्चर : नैक ग्रेड, एनआइआरएफ रैंकिंग, आन्त्रप्रान्योर एकोसिस, शिक्षक-छात्र अनुपात, रिसर्च फेरर प्रकाशन, इंस्टरप्रेनर, एप्लीकेंट की स्थिति, ईकंप्यूटरीकरण मेल, कोर्सों की संख्या और संचालन, एकेडमिक बैंक क्रेडिट सहित बहुत से पैरामीटर देखे गए।

इन विश्वविद्यालयों को मिले 100 करोड़ की मंजूरी : डा. राम मनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय अयोध्या, महामना ज्योतिबा फुले रोहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली, दीन दयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय गोरखपुर, बुंदेलखंड विश्वविद्यालय झांसी, चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय मेरठ।

300 अंक तक में पीएमयूवी को मिली मंजूरी : राजाजी भूतेश्वर स्थित चौधरी चरण विश्वविद्यालय (सीसीएसयू) ने पीएम उषा योजना के तहत 100 करोड़ रुपये की फंडिंग के लिए आवेदन किया था, लेकिन उसे मायूसी हाथ लगी है। इसके अलावा विश्वविद्यालय ने एक अन्य योजना में 20 करोड़ की फंडिंग के लिए आवेदन किया था, उसमें भी कुछ नहीं मिला है। पीएम उषा के तहत विश्वविद्यालय में शोध, नवाचार को बढ़ावा देने, गुणवत्ता सुधारने, कक्षाओं को आधुनिक बनाने और शैक्षणिक बुनियादी ढांचे में सुधार के लिए फंड मिलता है। कुलपति प्रो. एचके सिंह के अनुसार पीएम उषा के 100 करोड़ की फंडिंग के लिए विश्वविद्यालय ने निर्धारित प्रोजेक्ट पर आवेदन किया था। इसके अलावा 20 करोड़ रुपये के लिए मल्टीडिसिप्लीनरी पब्लिकेशन रोड रिसर्च बुनियादियों में घो

प्रस्ताव में शामिल सुविधाएं

- अनुसंधान कक्षाओं के लिए मॉर्डन रिसर्च स्टूडियो
- आवश्यकता अनुसार शोध छात्राओं की संख्या
- अंतःनुशासिक संकाय वाली शामन रिसर्च लैब
- नए उपकरण खरीदने के लिए।
- स्मार्ट क्लास रूम विकसित होंगे
- रोबोटिक्स टीसिंग विकसित करना
- बाजार की मांग के अनुसार नए नए कोर्स शुरू करना ताकि विद्यार्थियों को नौकरी के अधिक से अधिक अवसर मिले
- खेलो इंडिया की कई-कई सुविधाओं में तेजी लाना
- साइट विजल डेलपमेंट प्रोग्राम, प्लेसमेन्ट कोर्स
- मल्टी डिसिप्लीनरी एजुकेशन की प्राप्त करने और इंडियन नालेज सिस्टम के तहत नए एजेंडमिक प्रोग्राम शुरू करना

लवि ने जारी किए पीएचडी प्रवेश परीक्षा के प्रवेश पत्र

जागरण संवाददाता, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने सत्र 2023-24 की पीएच.डी प्रवेश परीक्षा के लिए रविवार को एडमिट कार्ड जारी कर दिए हैं। अभ्यर्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://apps.lkouniv.ac.in/ के माध्यम से पूर्व में प्राप्त लागिन आइडी का प्रयोग करके एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। प्रवेश परीक्षा 24 व 25 फरवरी को होगी। इसके कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं हुआ है।

इस बार दाखिले के लिए रेगुलर के 41 विषयों में 7200 आवेदन आए हैं। प्रवेश परीक्षा के सह समन्वयक अनिल गौरव ने बताया कि ऐसे अभ्यर्थी जिन्होंने पीएच.डी के एक से अधिक विषय में आवेदन किया है। उनकी प्रवेश परीक्षा की तिथि एक साथ होने पर 15 फरवरी तक आपत्ति मांगी गई। लेकिन कोई आपत्ति नहीं आई। इसलिए प्रवेश परीक्षा कार्यक्रम में कोई बदलाव नहीं किया गया। प्रवेश परीक्षा विश्वविद्यालय के दीक्षा परिसर में आयोजित की जाएगी। किसी भी प्रकार की असुविधा होने पर हेल्पलाइन नंबर-0522-4150500 पर सुबह 10 से शाम 5 बजे के बीच संपर्क कर सकते हैं।

फिर बीएचयू में हुआ संशोधन : लवि की ओर से 13 फरवरी जारी सूचना के अनुसार पीएचडी रेगुलर की 974 सीट थीं। अब इसमें फिर से संशोधन करते हुए यह संख्या 953 हो गई है। विश्वविद्यालय संशोधित सूचना वेबसाइट पर जारी कर दे गई।

बंधाव के कमाल जमीन खिसकी : नेशनल पीजी कालेज के भूगोल विभाग के विद्यार्थी परियात के कामकाज से संबंध होगी।

फाइनल प्रवेश परीक्षा कार्यक्रम

24 फरवरी : सुबह 10.30 से 12 बजे तक – बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन, बायो केमिस्ट्री, अनलिटिक्स एवं कम्युनिकेशन, अंग्रेजी, फिजिकल हेल्थ, एजिटेशन पब्लिसी एडमानिस्ट्रेशन, पोलिटिक्स, क्रीम मास्क, लॉजिक, सिविलिजन एजुकेशन, एप्लीकेशनी, मैटनेमैटिक्स, उर्दू।

दोपहर 2.30 से सांय बजे तक : पब्लिकेशन साइन्स, हिस्टोरियन, जाइयोलॉजी, जूलाजी, स्टेटीस्टिक्स, अलाइड इकोनमिक्स, आर्टिस्ट, साइकल, सोशियोलॉजी, प्रेस, अरब कल्चर, फिलिस्टिस।

25 फरवरी : सुबह 10.30 से 12 बजे तक – एजुकेशन, ओरियल्ट संस्कृत, लिंगवाजी, इकोनॉमिक्स, साइकोलॉजी, प्रेस, अरब कल्चर, फिलिस्टिस।

दोपहर 2.30 सेवाराज्ज : राजनीतिक, कामर्स, एमआयएस, साइकोलॉजी, बिजिनेस स्टडीज, फिलासफी, संगीत और, पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, केमिस्ट्री, हिंदी।

AMRIT VICHAR PAGE 5

100 करोड़ से संवरेगा लखनऊ विश्वविद्यालय

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विश्वविद्यालय जल्द ही नए कलेवर में नजर आने वाला है। यहां संकाय ही नहीं, तीन की सूरत भी बदली नजर आएगी। प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत हुई फंडिंग इस बदलाव में सहयोगी बनने जा रही है।

दरअसल, प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-उषा) कार्यक्रम के तहत लखनऊ विश्वविद्यालय को 100 करोड़ रुपये की फंडिंग हुई है। इसका उद्देश्य शैक्षणिक बुनियादी ढांचे, अनुसंधान क्षमता और समग्र शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने में मदद देना प्रस्तावित है। विवि के कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि इस धनराशि का उपयोग प्रयोगशालाओं को उन्नत करने, कक्षाओं को आधुनिक बनाने, नवाचार केंद्रों को बढ़ावा देने और अंत: विषय अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा है। इसके साथ अनुसंधान सुविधाएं और शिक्षा की समग्र गुणवत्ता में सुधार लाया जाएगा। वित्तीय सहायता के माध्यम से विश्वविद्यालय में नए केन्द्र भी स्थापित कराया लक्ष्य में सम्मलित है। कुलपति का कहना है कि विश्वविद्यालय में सीखने और अनुसंधान की क्षमता बढ़ेगी। नवाचार के लिए अनुकूल माहौल तैयार होगा। इस उपलब्धि से विश्व स्तरीय शैक्षणिक संस्थान बनाने के शासन के दृष्टिकोण को अपनाया जाएगा, जो विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी स्नातक तैयार करते हैं।

»प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत हुई फंडिंग

» संकायों के पुनरुद्धार सहित अन्य विषयों का होगा कायाकल्प

शिक्षा की गुणवत्ता पर दिया जाएगा जोर

लविवि कुलपति ने बताया कि पीएम-उषा कार्यक्रम का उद्देश्य बुनियादी ढांचे को मजबूत बढ़ावा देने के लिए किया जाना है। इन व्यवस्थाओं को पूरा करने के लिए जल्द ही शुरुआत की जाएगी।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 6

पीएम-उषा कार्यक्रम के तहत एलयू ने 100 करोड़ की फंडिंग हासिल की

लखनऊ। विश्वविद्यालय ने प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री उच्चतर शिक्षा अभियान (पीएम-उषा) कार्यक्रम के तहत 100 करोड़ की फंडिंग सफलतापूर्वक हासिल कर ली है। यह महत्वपूर्ण वित्तीय प्रोत्साहन, दूरदर्शी पीएम-उषा पहल के माध्यम से संभव हुआ। पीएम-उषा लखनऊ विश्वविद्यालय को अपने शैक्षणिक बुनियादी ढांचे, अनुसंधान क्षमताओं और समग्र शैक्षिक पारिस्थितिकी तंत्र को बढ़ाने के लिए सशक्त बनाएगा। इस धनराशि का उपयोग रणनीतिक रूप से प्रयोगशालाओं को उन्नत करने, कक्षाओं को आधुनिक बनाने, नवाचार केंद्रों को बढ़ावा देने और अंत:विषय अनुसंधान को बढ़ावा देने के लिए किया जाएगा। लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो आलोक कुमार राय ने उच्च शिक्षा को आगे बढ़ाने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त किया और कहा कि यह फंडिंग लखनऊ विश्वविद्यालय को उत्कृष्टता की नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। इससे न केवल हमारे वर्तमान छात्रों और संकाय को लाभ होगा बल्कि देश के ज्ञान परिदृश्य में भी योगदान मिलेगा। पीएम-उषा कार्यक्रम का उद्देश्य बुनियादी ढांचे, अनुसंधान सुविधाओं और शिक्षा की समग्र गुणवत्ता में सुधार के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करके विश्वविद्यालयों को उत्कृष्टता के केंद्रों में बदलना है।